इकाई 1

1. परिवार
(The Family)

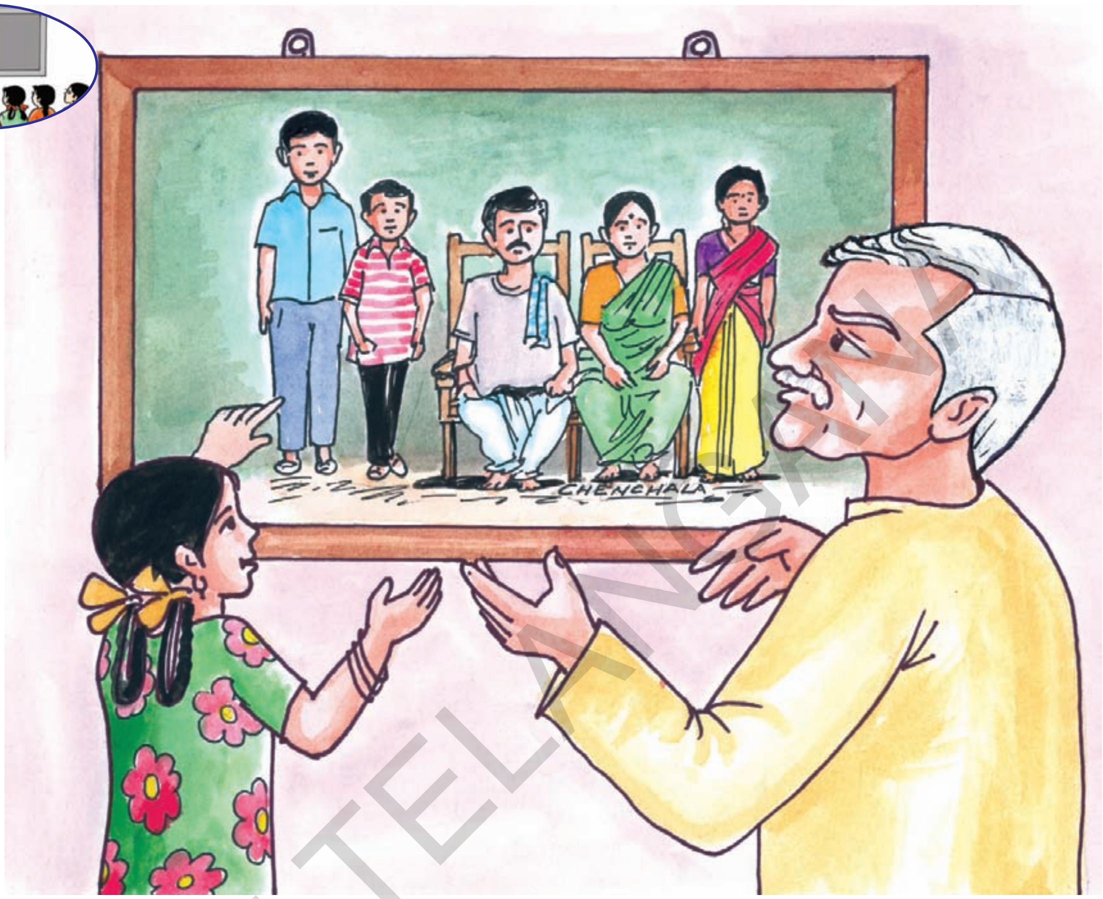

SCERT TELANGANA

रमा : दादाजी! इस फोटो में लंबे जैसे दिखायी देने वाले कौन हैं?

दादाजी : तुम्हारे पिता श्रीनिवास हैं।

रमा : गुलाबी ओढ़नी पहने हुए कौन हैं?

दादाजी : नहीं पहचाना? वह तुम्हारी बुआ हैं।

रमा : यहाँ पर जो हैं, वे वेंकट चाचा हैं न!

दादाजी : हाँ, तुमने तो सही पहचाना!

रमा : चाचा जी अब कहाँ हैं?

दादाजी : हैदराबाद में हैं।

रमा : हैदराबाद में क्यों रहते हैं दादाजी?

दादाजी : नौकरी करते हैं

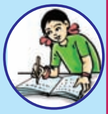

तुम्हारे परिवार में कौन–कौन हैं?

....

....

....

....

....

....

....

....

सामान्यतः परिवार में माँ, पिता, दादा, दादी, बच्चे होते हैं। नौकरी, शिक्षा या अन्य कारणों से परिवार के सदस्यों के साथ कुछ लोग दूसरे गाँव चले जाते हैं।

सभी परिवार एक जैसे नहीं होते। कुछ परिवारों में माँ, पिता, बच्चे ही होते हैं। कुछ और परिवारों में उनके साथ दादा, दादी जैसे बड़े–बूढ़े भी होते हैं।

अब हम रमा के परिवार में कौन–कौन हैं, उनके बारे में पता लगाते हैं। रमा के दादा का नाम रंगय्या है। दादी का नाम गंगम्मा है। रमा के दादाजी के दो बेटे, एक बेटी हैं।

चित्र देखो।

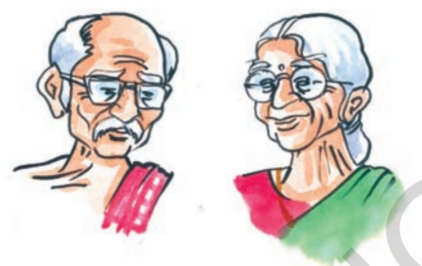

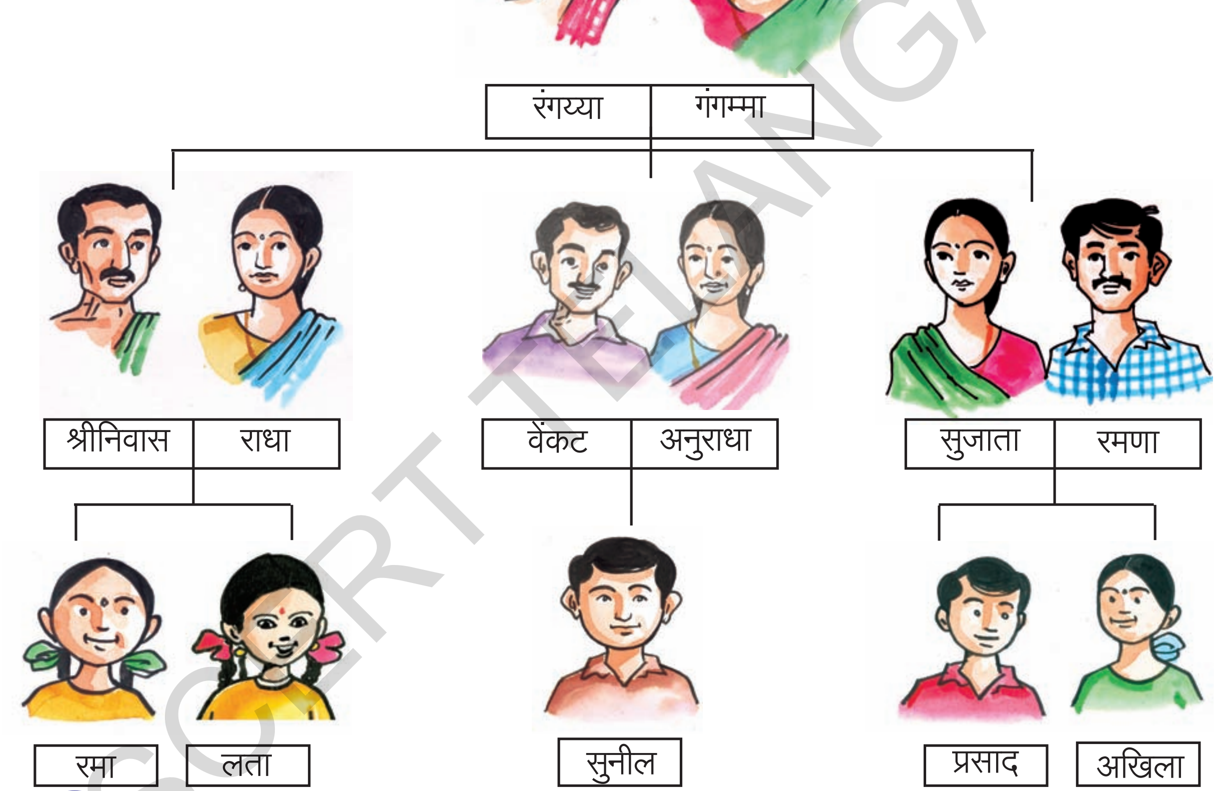

SCERT TELANGANA

कौन किसका क्या लगता है?

1. गंगम्मा श्रीनिवास की ....हैं।
2. अनुराधा, रंगय्या की ....हैं।
3. श्रीनिवास, सुनील का ....है।
4. अखिला, रंगय्या की ....हैं।
5. सुजाता, लता की ....हैं।
6. श्रीनिवास, रमा का ....हैं।
7. रमा, लता की ....हैं।
8. प्रसाद, अखिला का ....हैं।
9. रंगय्या, श्रीनिवास का ....हैं।
10. रमणा, सुजाता का ....हैं।

रमा के माँ, पिता, दादा, दादी के नाम अब तो तुम जानते ही हो न! अब तुम भी अपने दादा, दादी, माँ, पिताजी और दूसरों के नाम लिखो।

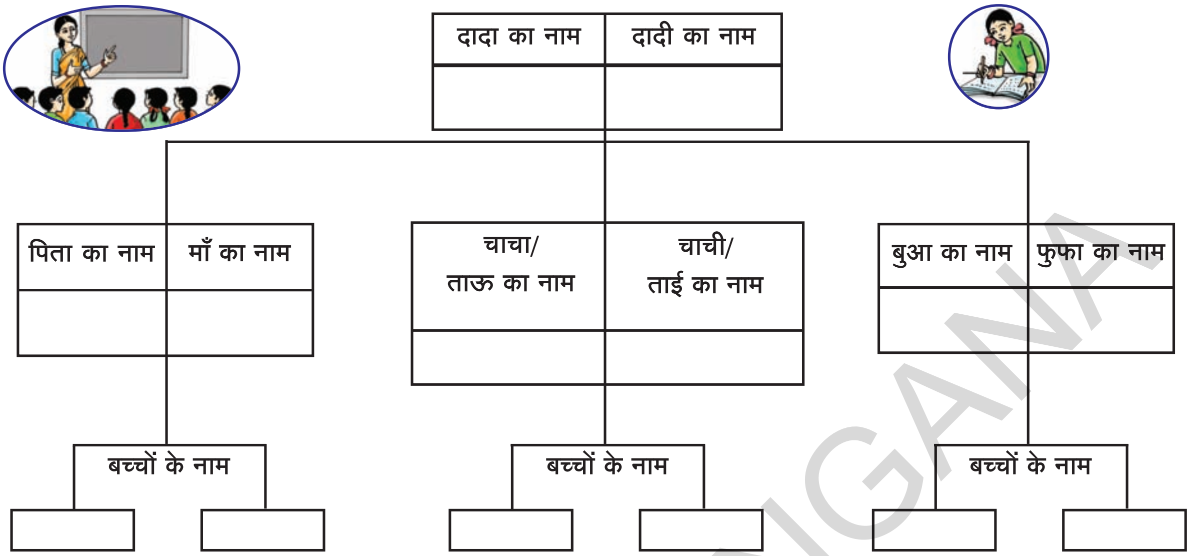

ऊपर बताये अनुसार परिवार के सदस्यों, पूर्वजों की जानकारी से भरी तालिका को ***वंशवृक्ष*** कहते हैं।

गुण :

रमा की चाची ने एक बच्चे को जन्म दिया। बच्चे को देखने बंधुजन आये।

SCERT TELANGANA

साधारणतया बच्चे अपने माता–पिता, दादा–दादी, नानी, फूफी, बुआ, मामा, ताऊ, चाचा, चाची के हमशक्ल होते हैं। कुछ बच्चों की शक्ल अपने परिववार के किसी भी सदस्य से नहीं मिलती है। हमारा शरीर जैसा है, हमें उसे वैसा ही स्वीकार कर उसकी सुरक्षा करनी चाहिए।

सही उत्तर (✓) से दर्शाएँ।

1. कोई अपरिचित आपको मिठाई देता है तो क्या तुम स्वीकार करेंगे। (हाँ / नहीं)
2. क्या अपरिचित व्यक्ति के साथ तुम जाओगे। (हाँ / नहीं)
3. यदि कोई तुम्हें सताता है तो क्या तुम बड़ों को बताओगे। (हाँ / नहीं)

परिवार के सदस्य विभिन्न गुणों से युक्त रहते हैं। कभी हमें गुस्सा आता है तब दूसरों को तकलीफ़ देने वाले शब्दों का प्रयोग करते हैं। लेकिन यह समस्या का समाधान नहीं है। इसके बदले उस व्यक्ति से अपने गुस्से का कारण बताएँगे। हमें जो व्यवहार और संदर्भ अच्छा नहीं लगा उसके बारे में समझाँएगे। हम दोनों को कष्ट न होने वाला समाधान बताएँगे।

आपके परिवार के सदस्यों में जो गुण पसंद आया लिखिए।

बंधुता	गुण
माता	साहस
पिता	संरक्षण

SCERT TELANGANA

परिवार का इतिहास

पाठशाला में भर्ती करने के लिए रमा के माता–पिता उसे पाठशाला ले आये। रमा के नाम को उसके पिता ने "*चिलुकूरी रमा*"लिखा। प्रधानाध्यापक ने पूछा– "आपका खानदानी नाम चिलुकूरी कैसे पड़ा?" "हमारे पूर्वज चिलुकूरी नामक स्थान से यहाँ आने के कारण यह नाम पड़ा है।"– रमा के पिता जी ने कहा।

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

रमा के दादाजी गाँव के सभी लोगों की संकट में सहायता करते हैं। इसीलिए सभी उनका आदर करते हैं। उनके कारण परिवार के सभी लोगों का अच्छा नाम है। रमा के पिताजी कपड़े का व्यापार करते हैं। अड़ोस–पड़ोस के गाँवों में अच्छे कपड़े बेचने के कारण सभी लोग उनका भी बड़ा आदर करते हैं। रमा के खानदानी नाम, उनके दादा, पिताजी के बारे में अब तो तुम जान ही गये होगे!

अब तुम अपने परिवार के इतिहास के बारे में बड़े–बूढ़ों से पता लगाओ।

तुम्हारी कक्षा में छात्रों के खानदानी नाम कैसे पड़े, पता लगाओ।.

तरह–तरह के परिवार

SCERT TELANGANA

मेरा नाम शिवा है। मेरे घर में माँ, पिता, दादा, दादी, ताई, ताऊ, चाची, चाचा, दीदी, भैया रहते हैं।

- किसके घर में अधिक सदस्य हैं? किसके घर में कम सदस्य हैं?
- किन–किनके घर में बूढ़े लोग हैं?
- डेविड, हसीना, शिवा में किसका किस तरह का परिवार है?
- तुम्हारा किस तरह का परिवार है?
- तुम अपने परिवार के सदस्यों को कैसे पुकारते हो, लिखो।

SCERT TELANGANA

आओ खेलें!

- तुम सभी गोलाकार में खड़े रहो।
- किसी एक की आँखों पर रुमाल बाँध दी जाय।
- रुमाल बँधा छात्र शेष छात्रों को पकड़ने और उनकी पहचान बताने का प्रयास करें।
- सही बताने पर आँखों से रुमाल खोल देना चाहिए।
- इस तरह एक के बाद एक आँखों पर रुमाल बाँधकर इस खेल को आगे बढ़ाएँ।
- क्या आँखों पर रुमाल बँधे होने पर सभी को पहचान पाते हो?

क्या तुम्हें पता है?

जिनकी आँखें नहीं होती वे पढ़ने के लिए ब्रेल लिपि का उपयोग करते हैं। इस लिपि का आविष्कार लुईस ब्रेल ने किया था।

वृद्ध और विशेष आवश्यकता वाले बालक

- आँखें होने पर भी आँखों पर रुमाल बाँधकर पहचानने में कठिनाई हुई न! तो सोचो जिनकी आँखें नहीं होती, वे अपना काम करने में कितनी कठिनाइयों का सामना करते हैं। इसी तरह कुछ लोगों को कानों

SCERT TELANGANA

से ठीक से सुनायी नहीं देता। कुछ लोग ठीक से बोल नहीं सकते। और कुछ लोग चल नहीं सकते। ऐसे लोगों को क्या-क्या कठिनाइयाँ आती होंगी, उनको हम किस प्रकार से सहायता कर सकते हैं, सोचकर बोलो।

नीचे दिया चित्र देखो।

- चित्र में कौन-कौन हैं?
- ये किन-किन कामों को करने में कठिनाइयाँ महसूस करते हैं?
- इन्हें किस तरह की सहायता करनी चाहिए।
- क्या तुमने कभी ऐसी लोगों की सहायता की है? कैसी सहायता की?

जिनकी आँखें नहीं होती, शारीरिक विकलांग, मूक, बधिर लोगों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सहायता देनी चाहिए। बात करने में कठिनाइयों का सामना करने वाले संकेतों के माध्यम से बात करते हैं। सुनने संबंधी समस्या वाले कानों में ध्वनि यंत्र लगाकर, आँखों की रोशनी से वंचित लोग छड़ी अथवा स्पर्श द्वारा विषय समझते हैं। उसी तरह कुछ लोग बीमारी या दुर्घटनाओं के चलते अपना काम स्वयं नहीं कर पाते। ऐसे लोगों के प्रति हमें चाहिए कि आवश्यकतानुसार सहायता प्रदान करें।

उसी तरह वृद्ध भी अपना काम स्वयं नहीं कर पाते। उन्हें भी सहायता की आवश्यकता होती है।

प्रतिवर्ष दिसंबर 3 को विश्वदिव्यांग दिवस मनाते हैं।

क्या तुम्हें पता है?

प्रतिवर्ष एक अक्तूबर को विश्व वृद्ध दिवस मनाते हैं।

SCERT TELANGANA

मुख्य शब्द

1.	परिवार	2.	परिवार के सदस्य	3.	गुण
4.	वंशवृक्ष	5.	ब्रेल लिपि	6.	परिवार इतिहास
7.	खानदानी नाम	8.	वृद्ध दिवस	9.	वृद्ध
10.	पूर्वज	11.	बंधुगण	12.	विशेष आवश्यकता वाले बालक

हमने सीखा

- सामान्यतः परिवार में माँ, पिता, दादा, दादी और बच्चे रहते हैं।
- इस तरह एक ही परिवार के रूप में मिलकर रहने वालों को पारिवारिक सदस्य कहलाते हैं।
- माँ, पिता, दादा,दादी, के पूर्वजों का विवरण बतलाने वाला ही वंशवृक्ष कहलाता है।
- परिवार के बच्चों में परिवार के सदस्यों, बंधुजनों के गुण आते हैं।
- सभी के चेहरे एक जैसे नहीं होते।
- हर परिवार का अपना एक इतिहास होता है। उसे ही 'खानदानी इतिहास' कहते हैं।
- परिवार के सदस्यों के आधार पर परिवार के प्रकार होते हैं।
- वृद्धों, विशेष आवश्यकता वाले बालकों को आवश्यकतानुसार सहायता करनी चाहिए।

इन्हें किजिए

विषय की समझ

1. परिवार किसे कहते हैं? तुम्हारे परिवार में कौन–कौन हैं?

2. चंदु अन्नवरम में रहता है। अब तीसरी कक्षा पढ़ रहा है। उसकी माँ कमलम्मा घर पर ही रहकर घर का कामकाज देखती है। चंदु का भाई आदित्य दोनों मिलकर छुट्टियों के दिनों में अपने मामा राघव के पास गये। वहाँ मामी उषा, दादा गोपाल, नानी लक्ष्मी देवी हैं। चंदु उसकी भाभी हेमा के साथ, जीजा रवि के साथ कई खेल खेले।

नाम	चंदु के साथ रिश्तेदारी
आदित्य	भाई
कमला	....
लक्ष्मीदेवी	....
राघव	....
उषा	....
रवि	....

SCERT TELANGANA

3. तुम्हारे वंश का नाम क्या है? वह नाम कैसे पड़ा, मालूम करके बताओ।

4. विशेष आवश्यकता वाले बालकों को हमारे द्वारा की जाने वाली सहायता क्या है?

- जिनकी आँखें न हों उनके लिए की जाने वाली सहायताः
- जिन्हें सुनायी नहीं देता उनके लिए की जानेवााली सहायता :
- मूक लोगों के लिए की जानेवाली सहायता :
- चलने में असमर्थ लोगों के लिए की जानेवाली सहायत :

समाचार कौशल–परियोजना कार्य

1. तुम्हारे मित्रों के घरों में कौन–कौन हैं पूछकर तालिका भरो।

मित्र का नाम	परिवार के सदस्य	परिवार सदस्यों की संख्या
1. उदा : मुरली	माँ, पिता, दादा, बहन, दीदी, मुरली	6
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		
7.		
8.		
9.		

उक्त तालिका के आधार पर बताओ–

- किनके घर में अधिक सदस्य हैं?
- किनके घर में कम सदस्य हैं?
- किनके घरों में वृद्धजन हैं?

2. तुम्हारे वंशवृक्ष के व्यक्तियों के फोटो जमा कर अलबम बनाओ। तुम्हारी कक्षा में प्रदर्शित कर एक–एक से बोलने के लिए कहो।

SCERT TELANGANA

चित्र उतारो–रंग भरो।

1. विभिन्न भाव बताने वाले मुख्य चित्र उतारो। नाम लिखो।
2. माता–पिता के चित्र उतारकर नाम लिको।

प्रशंसा

1. एक दिन अपने आंखों पर रुमाल बंदकर कल्पना करो कि, पाठशाला को कैसे जाएँगे। मित्रों से कैासे खेलोंगे, सीखेगे सविस्तार लिखो ?
2. तुम्हारे परिवार का इतिहास, विशेषताएँ क्या हैं? मालूम करो और बताओ।

प्रश्न करना

1. रमा दादाजी के पास गयी। अपने वंशवृक्ष के बारे में जानना चाहा। इसके लिए दादाजी से तरह–तरह के प्रश्न पूछी। रमा ने वंशवृक्ष के बारे में क्या–क्या प्रश्न पूछे होंगे? दादाजी ने क्या उत्तर दिये होंगे? वंश का नाम मालूम करना हो तो तुम क्या–क्या प्रश्न पूछोगे?

क्या मैं ये कर सकता हूँ

1.	परिवार का अर्थ बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
2.	परिवार के सदस्यों के बीच संबंध बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
3.	परिवार का वंशवृक्ष उतार सकता हूँ। परिवार का इतिहास बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	परिवार के सदस्यों की जानकारी तालिका में लिख सकता हूँ।	हाँ / नहीं
5.	वृद्ध, विशेष आवश्यकतावाले बालकों की आवश्यकता अनुसार सहायता कर सकता हूँ।	हाँ / नहीं
6.	परिवार के इतिहास, वंशवृक्ष के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA